12/6/64 रात्रि क्लास :– भक्त हैं अंधश्रद्धालु। पहले अपन भी ऐसे थे। मंदिर में जाते थे, पता नहीं लगता था। अब पता लगता है– कौन है हमारा? क्या लगता है? यह हमारा बाबा, यह मम्मा लगते हैं। जिनकी बुद्धि में यह नॉलेज है वो देखकर खुश होते रहेंगे। यह बाबा–मम्मा का है, जो चेतन में हैं। हमारा यादगार है सब। जैसे बाप को जानी–जाननहार, नॉलेजफुल कहा जाता है, तुम बच्चे भी नॉलेजफुल हो गए हो। मंदिर आदि में जाते हो तो उन्हों को समझाना चाहिए, यह कौन है? इन्हों द्वारा परमात्मा राजयोग सिखलाते हैं, फिर ऐसे राजाओं का राजा बनते हैं। मंदिरों में तुम बहुत सर्विस कर सकते हो। लिटरेचर हमेशा साथ में हो, ल०ना० का हो। झाड़–त्रिमूर्ति में सब क्लीयर है। नीचे आदिदेव–आदिदेवी राजयोग सीख रहे हैं। यह बाप से वर्सा ले रहे हैं। अच्छा!